वर्ष :: 34 अंक : 46
पृष्ठ : 16:: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक
प्रकाशन का 34 वां वर्ष
/mithilavarnan
बोकारो :: गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

शुभकामना
'मिथिला वर्णन' परिवार की ओर से समस्त देशवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

अमर रहें बलिदानी !

- : विजय कुमार झा :-

आज हम भारतवासी अपनी आजादी का 78वां उत्सव मना रहे हैं। सैकड़ों वर्षों तक अंग्रेजी हुकूमत की बर्बरता और उसके दमन से देश आज ही के दिन आजाद हुआ और हमारे पूर्वजों ने खुली हवा में सांस ली थी। इसी आजादी के लिए 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा देकर भारतीय स्वधीनता संग्राम के महानायक चन्द्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस, सरदार भगत सिंह, मंगल पांडेय, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, रानी लक्ष्मी बाई, तिलका मांझी, बिरसा मुंडा समेत देश के कितने ही असंख्य सपूतों ने अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया और कितने ही वीर सपूतों ने क्रूर विदेशी शासन की यातनाएं सहीं। लम्बे संघर्ष के बाद 15 अगस्त, 1947 को हिन्दुस्तान अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ। यह दिवस देश के उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों, आजादी के दीवानों और बलिदानियों को नमन करने का दिवस है, जो हमेशा अमर रहेंगे। लेकिन, इसके साथ ही भारत के विभाजन की ऐसी विभीषिका हमारे सामने आयी, जिसकी टीस हमारे दिलों में आज भी उठती है।

दुखदायी रहा धार्मिक उन्माद

देश के लिए वह क्षण अत्यंत ही दुखदायी रहा, जब केवल सत्ता की लालच में मजहब के नाम पर भारत का विभाजन कर समाज में नफरत और साम्प्रदायिकता का 'विष' फैलाकर पाकिस्तान को एक अलग राष्ट्र बना दिया गया। उन दिनों पाकिस्तान के हिस्से में आयी जमीन पर रहने वाले लाखों निर्दोष गैर-मुसलमानों को जिस तरह अपना सब कुछ छोड़कर वहां से भागना पड़ा और जिस तरह धार्मिक उन्मादियों ने उनका कत्लेआम किया और खून की होली खेली गई, उसे हम आज भी नहीं भुला पा रहे हैं।

लहलुहान होता रहा भारत

उसके बाद भी पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देकर भारत को लहूलुहान करता रहा है और आतंकवाद का प्रमुख ठिकाना बनकर न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुका है। आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुका और आपसी संघर्ष से त्राहिमाम कर रहा वही पाकिस्तान आज भी जम्मू-कश्मीर में अपने पोषित आतंकियों के सहारे भारत के खिलाफ छद्म-युद्ध कर रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि आजादी के दिनों में जिस तरह कत्लेआम हुए, भारतीय सैनिकों के बल पर उसी पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों से अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर पिछले दो हफ्तों से हमले हो रहे हैं। वहां मंदिरों को जमींदोज किया जा रहा है, महिलाओं की इज्जत लूटी जा रही है और निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। यह न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विचारणीय है।

चुनौतियां आज भी बरकरार

अंग्रेजी हुकूमत के खात्मे के लगभग 78 वर्षों बाद भी हमारी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। पहले तो सत्ता के लालचियों ने देश को धर्म के नाम पर विभाजित किया, अब सनातनी हिन्दुओं को जातियों के नाम पर आपस में लड़ाने और बांटने की कोशिशें की जा रही हैं। दूसरी तरफ देश को बाहरी दुश्मनों के साथ-साथ देश के आंतरिक दुश्मनों से भी खतरा है, जो यह नहीं चाहते कि भारत में शान्ति और सद्भावना कायम रह सके। ऐसे लोग भाषा और धर्म के नाम पर आज भी देश को बांटना चाहते हैं। यह निश्चय ही हर राष्ट्र-भक्त भारतवासी के लिए चिन्ता की बात है।

सुरक्षित हाथों में देश

उपर्युक्त परिस्थितियों के बाद भी हम कह सकते हैं कि देश आज सुरक्षित हाथों में है। क्योंकि, पिछले एक दशक में भारत की ताकत पूरे विश्व में बढ़ी है। विकास की यात्रा में हम निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं। सशक्त और समृद्ध भारत का सपना धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। 'एक राष्ट्र, एक विधान और एक संविधान' को मूर्त रूप दिया जा रहा है। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को खत्म कर दिया गया। अब केन्द्र सरकार द्वारा देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने की तैयारी चल रही है। आजादी के बाद से देश की न्यायिक व्यवस्था अंग्रेजों द्वारा बनाये गए कानूनों आधार पर ही चलती रही और इतने वर्षों के अंतराल में किसी भी सरकार ने उसमें बदलाव लाने की जरूरत नहीं समझी। लेकिन, केन्द्र सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंग्रेजों के बनाए तीन महत्वपूर्ण कानूनों को न सिर्फ खत्म किया, बल्कि देश में आज वह लागू हो चुका है। गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर नए **(शेष पेज- 7 पर)**

स्वाधीनता संग्राम और संताल के रणबांकुरे

चंद्रविजय प्रसाद 'चंदन'
देवघर

देश 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है और आजादी के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले वीर बांकुरों को याद कर गौरवान्वित मान रहा है, जिनकी शहादत के बूते हम आजाद भारत में जी रहे हैं। ऐसे में संताल परगना के उन लोगों को याद करना भी प्रासंगिक हैं, जिनको स्वतंत्रता आंदोलन को इतिहास में विद्रोह के रूप में दर्ज किया गया है। देश की आजादी से काफी पूर्व वर्ष 1855 में संताल परगना के दामिन-इ-कोह (पर्वतीय अंचल) में महाजनी प्रथा के विरोध के नाम पर चार संताल भाइयों ने जिस तरह से सांगठनिक रूप से आंग्ल सरकार के विरुद्ध लड़ाई को अंजाम दिया था, वह अपने-आप में अद्वितीय है। वर्तमान संताल परगना प्रमंडलीय मुख्यालय के साहेबगंज जिले के बरहेट प्रखंड मुख्यालय से सटे भोगनाडीह के चार संताल भाइयों- सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरो ने आंग्ल सरकार द्वारा जबरन थोपे गए कृषि-कर के विरोधस्वरूप आंदोलन का स्वरूप तैयार करते हुए स्थानीय जनों की बड़ी संख्या को एकत्रित कर लड़ाई आरम्भ कर दी। हालांकि, इतिहासकारों ने इस आंदोलन को विद्रोह के रूप में अंकित तो किया है, किंतु जिस योजनाबद्ध तरीके से इस आंदोलन की नींव रखी गयी थी, उसपर ज्यादा कुछ नहीं कहा गया है। सही मायने में यह दुर्भाग्यजनक है।

इतिहासकारों का अन्याय

1855 के संताल विद्रोह के लिए कुल चार सैनिक टुकड़ियों का निर्माण किया गया था, जिसे चार अलग-अलग दिशाओं में भेजा गया था। युद्ध के लिए उनमें से एक टुकड़ी भागलपुर के लिए पीरपैंती के रास्ते भेजा गया, जो उस समय प्रमंडलीय मुख्यालय था। संताल रणबांकुरों की दूसरी टुकड़ी पाकुड़-महेशपुर राज के रास्ते कोलकाता के लिए, जबकि तीसरी टुकड़ी ने दुमका जिले की ओर प्रस्थान किया था। संताल विद्वान ईजे सोरेन कहते हैं- संताल आंदोलनकारियों की यह टुकड़ियां अंग्रेजों के दांत खट्टे करते हुए आगे बढ़ रही थी, इसी क्रम में श्याम परगना नामक योद्धा पीरपैंती के पास शहीद हो गया, जिस कारण उक्त टुकड़ी का मनोबल टूट सा गया। जबकि, मुखबिरी के कारण सिद्धो के नेतृत्व में गई टुकड़ी का यह अभियान सिद्धू की गिरफ्तारी के बाद रुक गया। सबसे लोमहर्षक घटना तब घटी, जब आजादी के उन्मत बांकुरे अंग्रेजों को छठी का दूध पिलाते आगे बढ़ते जा रहे थे, तब घबराए अंग्रेज पाकुड़ में एक टावर के अंदर से अंधाधुंध गोलियां बरसाते संताल वीरों को मौत की नींद सुलाते रहे। 1855 के इन संताल विद्रोह के नायकों को अंग्रेज सरकार ने बरहेट के पास पंचकठिया के पास एक विशाल बरगद के पेड़ से लटकाकर सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी। पंचकठिया में आज भी वह शहीद स्मारक उन वीर सपूतों की याद में खड़ा मौन साक्षी बना हुआ है। सन 1855 का यह संताल विद्रोह हालांकि असफल रहा, किन्तु जिस व्यापक पैमाने पर और जिस योजनाबद्ध तरीके से लड़ा गया, उसके साथ इतिहासकारों ने न्याय नहीं किया है।

एक बार फिर मूल्यांकन की जरूरत

अपने अधिकारों और अपनी आजादी के लिए लड़ी गई इस लड़ाई को अगर सम्मानजनक ढंग से याद किया जाता तो इसमें कोई शक नहीं कि यह आजादी के स्वर्णाक्षरों में दर्ज होता। आज भले ही झारखण्ड के सभी राजनीतिक दल सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरो के नाम पर राजनीतिक शोशेबाजी कर रही है, उससे इतर अगर संताल विद्रोह जैसे सशक्त आंदोलन का सतही मूल्यांकन किया होता तो इसे इतिहास के सम्मुनत आजादी आंदोलन से जोड़कर इबारत लिखी जा सकती थी, किन्तु राजनीतिक रोटियां सेंकने की गरज से साल में एक बार सरकारी स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर लोग अपने कर्तव्यों की इतिश्री मान लेते हैं। बहरहाल, सिद्धो-कान्हो, चान्द-भैरो के नेतृत्व में लड़ी गई यह लड़ाई आज पुनर्मूल्यांकन की बाट जोह रहा है, ताकि इसका इतिहास बेहतर रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार व इतिहासविद् हैं।)

पुनीत भाव से बनें सच्चा राष्ट्रभक्त

- सोमनाथ नायक, बोकारो।

राष्ट्रीय मूल्य एक ऐसा महत्वपूर्ण विषय है कि जो हमारे देश की मूल आत्मा को दर्शाता है। यह हमारी गौरवशाली संस्कृति, पुरातन परंपराओं, मूल्यों, और ऐतिहासिक उपलब्धियों का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस के इस पुनीत अवसर पर, हमें अपने राष्ट्र मूल्यों को याद रखना चाहिए और इनकी रक्षा के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। वर्तमान स्थिति में, हमारा देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, जैसे कि व्यापक भ्रष्टाचार, भारी असमानता, जाति आधारित राजनीति, धार्मिक कट्टरता और सामाजिक अन्याय। ऐसे में हमें अपने राष्ट्र मूल्यों को मजबूत बनाने में बल देना होगा, ताकि हम भारतवर्ष को और भी मजबूत और समृद्ध बना सकें।

राष्ट्र-रक्षा की बात करें तो यह वह विषय है जो हमारे देश की सुरक्षा और संप्रभुता को दर्शाता है। यह हमारी सैन्य-शक्ति, हमारी अर्थव्यवस्था, और नागरिकों की एकता का प्रतीक है। आज अपनी राष्ट्र रक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रयास करने के लिए मंथन आवश्यक हो गया है। वर्तमान में हमारा देश विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है, जैसे कि आतंकवाद, भारत चीन सीमा उल्लंघन मामले, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर , सीमा विवाद और अब साइबर हमले। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने की जरूरत है, ताकि हम अपनी सेनाओं को अच्छी तरह से सुसज्जित कर सकें।

हमें अपनी गौरवशाली संस्कृति और पुरातन परंपराओं को संरक्षित करना होगा, ताकि हमारी राष्ट्रीयता बनी रहे। हमें अपने मूल्यों को अपनाना होगा, जैसे कि सत्य, अहिंसा, न्याय और समानता। हमें देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनना होगा और इसकी सेवा करनी होगी। भारतीय संदर्भ में आजादी की इस वर्षगांठ में महान पुनीत आत्माओं की सच्ची श्रद्धांजलि हेतु उनकी मनोकामनाओं एवं भारत देश एवं मां भारती के प्रति सपने एवं कर्तव्य परायण बोध की सच्ची अभिव्यक्ति हेतु उनके पदचिन्हों पर चलने का सार्थक प्रयास कर आजादी के अमृत महोत्सव एवं विकसित भारत का संकल्प पूरित हेतु पुनीत पावन भाव से विकसित करने में शत-प्रतिशत अहम भूमिका का सात्विक भाव से निर्वहन करें।

हमर तिरंगा

मैथिली कविता

- शम्भुनाथ -

हिमगिरि तुंग शिखर पर शोभय हमर तिरंगा
महा उदधि केर प्रबल उर्मि संग हमर तिरंगा
सूर्य चन्द्र केर मध्य गगन मे हमर तिरंगा
अन्तरीक्ष केर शान बनल अछि हमर तिरंगा।।

बल पौरुष गरिमा केशरिया हमर तिरंगा
शान्ति धवल परिधाने सज्जित हमर तिरंगा
हरित वैभवक दर्शन करबय हमर तिरंगा
चक्र संग गतिमान रहय सदि हमर तिरंगा।।

शतकोटिक अभिमान देखाबय हमर तिरंगा
जन मन कंठक गान सुनाबय हमर तिरंगा
कोटि शहीदक गरिमा गाबय हमर तिरंगा
समरसता समभाव सिखाबय हमर तिरंगा।।

अरि केर छाती जाय चढय अछि हमर तिरंगा
कंटक बाट बहारि बढय अछि हमर तिरंगा
नित नूतन इतिहास गढय अछि हमर तिरंगा
विश्वमंच पर ताज मढय निज माथ तिरंगा।।

हीरक वर्ष मनाय रहल अछि हमर तिरंगा
घर घर पर फहराय रहल अछि हमर तिरंगा
बाट घाट बहराय रहल अछि हमर तिरंगा
जन मन गान अघाय रहल अछि हमर तिरंगा।।

आउ आइ व्रत एक सुरें ली भारतवासी
छोड़ब नहि निज शत्रु लेत जे देखि उकासी
विश्वगुरू बनि जाय शिखर पर झंडा गाड़ब
सभक मध्य मे विहुँसय सदिखन हमर तिरंगा।।

सत्तालोलुपों की वजह से खंडित हुआ देश : अमर

विभाजन की विभीषिका पर बोकारो में भाजपा की संगोष्ठी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला भारतीय जनता पार्टी की ओर से देश के विभाजन विभीषिका पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। बोकारो विधायक बिरंची नारायण के सेक्टर-1 आवासीय कार्यालय स्थित पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता व चंदनकियारी के विधायक अमर कुमार बाउरी थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने की व संचालन जिला महामंत्री संजय त्यागी ने किया।

इस अवसर पर प्रतिपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने कहा कि 14 अगस्त, 1947 भारत के इतिहास का वह दिन है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। एक तरफ जहां सदियों की गुलामी के बाद देश आजादी का सूरज देखने को बेकरार था, तो वहीं दूसरी तरफ देश के दो टुकड़े हो रहे थे। धर्म के नाम पर लोगों को बांट दिया गया। देश बंटवारे में लाखों लोगों ने अपनों को खोया, घर-बार छूटा। बंटवारे का दंश झेलने वाले देशवासियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज पूरा देश विभाजन विभीषिका दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि धारा 370 व 35 ए खत्म कर कुछ दर्द को कम करने का काम मोदी सरकार ने किया। भारत से पाकिस्तान बना और पाकिस्तान से बांग्लादेश। ये कभी भारत के अंश थे। गंधार तक जो देश था, वह केवल सत्ता के लालचियों की वजह से खंडित हुआ। अंगेज व कांग्रेस की वजह से भारत दो हिस्सो में बंटा, क्योंकि कांग्रेस को सत्ता चाहिए थी। पाकिस्तान, बांग्लादेश में आज हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। बांग्लादेश में आज जो हो रहा है, कहीं न कहीं कांग्रेस के कारण। अगर बंटवारा न होता तो बांग्लादेश और पाकिस्तान भारत का हिस्सा होता। यह बंटवारा सत्ता के लालचियों द्वारा की गई, जिन्हें सत्ता से मतलब थी। लाखों लोगों ने जान गंवाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भरत यादव ने बंटवारे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों को याद कर श्रद्धांजलि दी। कहा कि देश के इतिहास में 14 अगस्त की तिथि कभी नहीं भूलने वाली है। आज ही के दिन मजहबी और नफरती मानसिकता ने भारत का दुःखद विभाजन किया, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप असंख्य देशवासियों ने यातनाएं झेलीं और अपनी जान गंवाई। इस क्रूर-वीभत्स यातना के साक्षी सभी नागरिकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि कांग्रेस ने अखंड भारत को खंडित करने काम किया गया। लाखों लोग बेघर हो गये, कितनों को अपने परिवारों से दूर होना पड़ा। संगोष्ठी में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनय सिंह, शशि भूषण ओझा मुकुल, जिला उपाध्यक्ष धीरज झा, गौर रजवार, राम लाल सोरेन, जिला महामंत्री संजय त्यागी, अनिल स्वर्णकार, भाजयुमो जिला अध्यक्ष बिनोद कुमार, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर महथा, अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री सुनीता दास, जिला मंत्री माथुर मंडल, मंटू राय, सोनम दुबे, जिला कार्यालय मंत्री इंद्र कुमार झा, जिला मीडिया प्रभारी महेंद्र राय, विश्वनाथ दत्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश चंद्र सिंह, अमर स्वर्णकार, विक्की राय, अविनाश सिंह, प्रेमलाल साव, अशोक शर्मा, हरिपद गोप, बीरभद्र प्रसाद सिंह, ऋषभ राय, ब्रज दुबे, जितेंद्र गोस्वामी, बिनोद कुमार, अभय कुमार गोलू, विशाल गौतम, हीरालाल मंडल, निमाई महथा, समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। इसके पहले विभाजन की विभाषिका को लेकर एक प्रदर्शनी लगई गई और मौन जुलूस निकाला गया।

स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST

शुभकामना संदेश
दाघानि DVC
स्वतंत्रता दिवस, 2024 के शुभ अवसर पर
सभी देश वासियों एवं क्षेत्र वासियों को हार्दिक शुभ कामनाएँ
आनन्द मोहन प्रसाद
मुख्य महाप्रबंधक व परियोजना प्रधान
Chief General Manager & HOP
दाघानि, बोताविके, बोकारो
DVC, BTPS, Bokaro

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल कुमार तिवारी
परियोजना पदाधिकारी
कोलियरी, स्वांग गोमिया,
बोकारो (झारखंड)।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!
कुमार अमरदीप
अध्यक्ष, गुड मॉर्निंग क्लब सह-वरिष्ठ समाजसेवी, बोकारो।
उषा कुमार
पूर्व अध्यक्ष
चास रोटरी, बोकारो।

हिन्दी के प्रचार-प्रसार को दें गति : निदेशक प्रभारी

संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2024-25 की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधकगण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के आरम्भ में राजभाषा अधिकारी शशांक शेखर ने सभी का स्वागत किया एवं बैठक की कार्यसूची पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की स्थिति, विभिन्न विभागों में हिंदी की प्रगति इत्यादि की समीक्षा की गई।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को गति देने के लिए सभी विभागाध्यक्षों से अपने विभागों में हिंदी कार्यशाला आयोजित करने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से ई -नोटशीट में हिंदी में टिप्पणी लिखने की सुविधा विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग एवं बैनर का उपयोग तथा स्कूलों में बच्चों के लिए हिंदी दिवस पर कार्यक्रम एवं हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करने का निर्देश दिया। उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के विषय में अपने विचार साझा किए। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा अधिकारी शशांक शेखर ने किया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में जरीडीह बाजार के बच्चों का परचम

बेरमो : जरीडीह बाजार संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता चलकरी बस्ती के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संपन्न हुई, जिसमें अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, जरीडीह बाजार के बच्चों ने अपना परचम लहराया। संस्कृत, ज्ञान-विज्ञान, अंग्रेजी एवं बौद्धिक गणित विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को सचिव अनिल अग्रवाल के हाथों सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा चतुर्थ से लेकर दशम तक के बच्चों ने भाग लिया। विद्या भारती के चारों वर्ग की प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने बेहतर सफलता प्राप्त की। इस कार्यक्रम में चार विद्यालय के बच्चों ने भाग लिया था, जिसमें 10 पुरस्कार प्राप्त कर शिशु मंदिर जरीडीह बाजार ने अपना परचम लहराया। इन सभी को प्रस्तुत करते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि यह बच्चों के परिश्रम का ही परिणाम है। वहीं, प्रधानाचार्य ने रमेश कुमार उपाध्याय ने सभी को आशीर्वचन दिया।

जिम्मेदारी चिन्मय विद्यालय में छात्र परिषद गठित, अमित बने हेड बॉय, अनुश्री हेड गर्ल

विद्यार्थी-जीवन से ही बच्चों में आवश्यक है नेतृत्व-क्षमता का विकास : त्रिपाठी

संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय में सत्र 2024-25 के लिए छात्र परिषद का गठन किया गया। प्राचार्य सूरज शर्मा व उनकी टीम ने छात्र परिषद का चयन किया। विशेष प्रार्थना सभा में मुख्य अतिथि सचिव महेश त्रिपाठी व प्राचार्य सूरज शर्मा ने छात्रों को बैच एवं सेस पहनाकर सम्मानित किया। सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि छात्र जीवन से ही बच्चों में नेतृत्व की क्षमता होनी चाहिए। इस तरह बच्चे अपनी जिम्मेदारी तो समझेंगे, साथ ही विद्यालय व समाज के प्रति भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय में सकारात्मक भागीदारी हर क्षेत्र में उत्तरदायित्व का विस्तार और विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाना एवं उन्हें लागू करने में सकारात्मक भूमिका निभाकर अपना बहुमूल्य योगदान देना है। उन्होंने कहा कि छात्र परिषद के सभी सदस्यों का उत्तरदायित्व बढ़ जायेगा, क्योंकि अन्य सभी छात्र उनका अनुकरण करना चाहते हैं। अपनी पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में कार्य कुशलता एंव नेतृत्व की भावना का विकास होता है।

छात्र परिषद में अमित कुमार हेड ब्वॉय, अनुश्री मजूमदार हेड गर्ल, एकेडमिक सेक्रेटरी कुणाल महथा, स्मृति किरण, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी चेतन प्रकाश, डिसिप्लिन सेक्रेटरी प्रतीक केशरी आदि को बनाया गया है। मौके पर छात्र-परिषद के समन्वयक कुमुद रंजन, हरिहर पाण्डेय, मीनाक्षी कुमारी, अंजलि मिश्रा, सोनाली गुप्ता, सुब्रतो गुप्ता, एएन उपाध्याय, उषा वर्धराजन, गोपाल चौधरी, एके सिंह, प्रांजल सेकिया, रणविजय ओझा आदि मौजूद रहे।

हफ्ते की हलचल

रिटायरमेन्ट के बाद जीवन में बदलावों की दी जानकारी

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट से अगस्त 2024 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से सोमवार को लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में एक नए सफर की शुरूआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (एचआर - फाइनल सेटलमेंट) कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया। डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया। उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। बंधन बैंक के ब्रांच मैनेजर अमरेंद्र कुमार सिन्हा तथा उनकी टीम के लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। संगीता कुमारी, ए.सी.टी. (एचआर -फाइनल सेटलमेंट) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (एचआर -फाइनल सेटलमेंट) कल्पना के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ।

जयंती पाठक को मिला सावन सुंदरी का खिताब

बोकारो : सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो इकाई द्वारा बोकारो क्लब में समूह के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सखी दिवस सह- सावन मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सखी बहिनपा, बोकारो इकाई की अध्यक्ष अमिता झा, महासचिव उषा झा, उपमहासचिव नूतन झा सहित वरिष्ठ सदस्या शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, आशा झा, डॉ मंजू झा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत-संगीत, नृत्य आदि का आनंद लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर चार कठिन राउंड प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के आधार पर सावन सुंदरी का चयन किया गया, जिसमें जयंती पाठक को प्रथम अनामिका झा को द्वितीय व पिंकी झा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बेस्ट पर्सनैलिटी का पुरस्कार किरण मिश्रा, बेस्ट एंकर का पुरस्कार संगीता मिश्रा व बेस्ट कॉस्ट्यूम का पुरस्कार संजीता भुवनेश झा को प्रदान किया गया।

बोकारो में सीआरपीएफ ने निकाली तिरंगा रैली

बोकारो : भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के तहत पुलिस उपमहानिरीक्षक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल बोकारो द्वारा मोटरसाइकिल रैली आयोजित की गयी। पुलिस उपमहानिरीक्षक ब्रजेश सिंह के मार्गदर्शन एवं विनोद कुमार यादव, उप कमांडेंट की उपस्थिति में यह मोटरसाइकिल रैली राम मन्दिर, सिटी पार्क, सेक्टर 1 तथा सेक्टर 4 होते हुए वापस कैम्प तक आकर समाप्त हुई। मोटरसाइकिल रैली का उद्देश्य 09 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित किये जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के बारे में सभी नागरिकों को जागरूक करना एवं उनको प्रेरित करना, ताकि लोग अपने घर पर तिरंगा फहराकर आजादी का उत्सव धूमधाम से मनाएं, जिससे पूरे देश में देशभक्ति की भावना का संचार हो। इस रैली का आमजनों ने देशभक्ति के नारे लगाकर स्वागत किया। इस मोटरसाइकिल रैली में अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों एवं सभी जवानों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

बोकारो थर्मल में विनोद बिहारी महतो विचार मंच का गठन

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी मजदूर यूनियन कार्यालय में गणेश प्रसाद महतो की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विनोद बिहारी महतो विचार मंच का गठन सर्वसम्मति से किया गया। गठित कमिटी में अध्यक्ष गणेश प्रसाद महतो, उपाध्यक्ष मुन्ना साव, सचिव डॉ दशरथ महतो, संगठन मंत्री द्वारिका प्रसाद महतो, कोषाध्यक्ष नरेश राम महतो, मुख्य सलाहकार गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह एवं मुखिया विश्वनाथ महतो सहित पंद्रह कार्यकारिणी सदस्य चयनित किए गए। बैठक में मुख्य रूप से जानकी महतो, रीतलाल महतो, गोविंद महतो, प्रफुल्ल ठाकुर, नागेश्वर महतो, जीतू महतो, गुलाब चंद महतो, धनेश्वर महतो, रामाकांत यादव, रामदेव गंझू, कमलदेव महतो आदि शामिल थे।

स्कूल के लिए आत्मदाह पर उबाल

इंसाफ की मांग को ले गोलबंद हुए आनंदमार्गी, पेटरवार का मामला

संवाददाता

बोकारो : पेटरवार थाना क्षेत्र के दारिद स्थित आनंद मार्ग स्कूल की साध्वी अवधूतिकानंद हितवादिनी आचार्या के आत्मदाह मामले में इंसाफ की मांग को लेकर बोकारो के आनंदमार्गी गोलबंद हो चुके हैं। दर्जनों आनंदमार्गियों ने घटना के अगले दिन रांची-बोकारो मुख्य मार्ग स्थित उत्तासारा चौक में करीब दो घंटे तक सड़क जाम कर दिया। इंसाफ की मांग करते हुए आंनदमार्ग के सदस्य व विद्यालय के विद्यार्थी सड़क में बैठ गए और आवागमन को पूरी तरह से बाधित कर दिया। इस दौरान उन्होंने सरकार व प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। आनंदमार्गी हितवादिनी की मौत का हिसाब दो, बिना नोटिस का तोड़फोड़ करने का हिसाब दो, झारखंड प्रशासन हाय-हाय, एनएचएआई व प्रशासन की मनमानी नहीं चलेगी, बिना परमिशन लिए साध्वी हितवादिनी के शव ले जाने का हिसाब दो आदि नारा लगा रहे थे। सड़क जाम होने के कारण लोगों को आवाजाही के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस दौरान प्रशासन की ओर से वाहनों को पेटरवार से कसमार, बहादुरपुर होते हुए रवाना किया।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही कसमार, पेटरवार व जरीडीह पुलिस तथा पेटरवार सीओ दलबल के साथ पहुंचे। इस दौरान काफी प्रयास करने के बावजूद आनंद मार्गी मांगों को लेकर अड़े रहे। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जिनकी जमीन है, उनको तुरंत मुआवजा दें, अन्यथा उक्त स्थल को छोड़कर साइड से सड़क बनाएं, आत्मदाह करने के जिम्मेदार अधिकारियों को अविलंब बर्खास्त किया जाए तथा बिना नोटिस के ही भवन तोड़ने के लिए आए सभी पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाए।

विदित हो कि भारतमाला परियोजना फेज-1 के तहत फोरलेन सड़क निर्माण के दौरान दारिद पंचायत स्थित अधिग्रहित आनंद मार्ग स्कूल को एनएचएआई व पुलिस बल के जवान अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सोमवार को पहुंचे थे। प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई तो विद्यालय की अवधूतिका हितवादिनी आचार्या ने विद्यालय के किचन में जाकर आत्मदाह कर ली। अधिकारियों ने तुरंत अपने वाहन से साध्वी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया

मामले पर मृतक साध्वी की शिष्या शेफाली महतो ने पेटरवार थाना में आवेदन देकर सात लोगों के खिलाफ शिकायत की हैं। इनमें ठेकेदार से जुड़े अभिमन्यु सिंह राठौर, संदीप पाल, कौशिक, चिराग कुमार, अजय सिंह, विद्युत दुबे व शैलेंद्र कुमार एनएचएआई के नाम शामिल हैं। कहा कि यही लोग बुलडोजर लेकर स्कूल को ध्वस्त करने पहुंचे थे, जिसके कारण उक्त दुर्घटना घटी।

भारत माता के आत्मसम्मान की सुनिश्चित हो सुरक्षा : बिरंची

संवाददाता

बोकारो : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के आह्वान पर भाजपा चास नगर उत्तरी के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। 13 अगस्त से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक मनाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो विधायक बिरंची नारायण शामिल हुए। उक्त अवसर पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि भारत माता के आत्मसम्मान की सुरक्षा सुनिश्चित हो। उन्होंने बताया कि सिर्फ देशवासी ही नहीं, बल्कि विदेशों में रहने वाले भारतीय भी तिरंगा महोत्सव के प्रति उत्साहित हैं।

इस दौरान प्रभातफेरी में कार्यकर्ता रघुपति राघव राजा राम भजन और वंदे मातरम,भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए शामिल हुए। गलियां भारत मां की जय-जयकार से गूंजती रही। प्रभात-फेरी में भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी, भाजपा चास नगर उत्तरी अध्यक्ष अमर स्वर्णकार, अशोक कुमार पप्पू, संजय सिंह, शैलेन्द्र कुमार, अवधेश कुमार, बिरेंद्र प्रसाद, मनोज कुमार, सुभाष सानु, चंद्रशेखर, देवेंद्र कुमार, महेश्वरी प्रसाद सिंह, दिलीप पाल, प्रेम कुमार राय, अम्बिका प्रसाद, नगेंद्र सिंह, अर्जुन गौड़, प्रमोद कुमार, अनिल कुमार, राम बालक सिंह, अशोक कुमार, संजय सिंह, प्रमोद महतो आदि शामिल थे।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

अरविंदर को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दी बधाई

संवाददाता

बोकारो : पीएम मोदी मिशन पीएम अगेन के माध्यम से राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहे अरविन्दर सिंह खुराना को भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर मिशन से जुड़े लोगों में हर्ष है। स्थानीय भाजपा नेता संतोष सिंह ने प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर श्री खुराना को बधाई दी। श्री सिंह ने कहा कि श्री खुराना को यह जिम्मेदारी मिलने से राज्य में किसानहित में काम हो सकेगा और पार्टी भी सशक्त होगी। वहीं, श्री खुराना ने इसके लिए प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो दायित्व दिया है उसका वह इमानदारीपूर्वक निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के लिए अभूतपूर्व कार्य कर रहे हैं। किसानों से जुड़ी जन विकास योजना कैसे ग्रामीण किसानों तक पहुंचे, इसके ऊपर खरा उतरने का वह प्रयास करेंगे। संतोष सिंह के अलावा, श्री खुराना के मनोनयन पर रांची लोकसभा सांसद सह मंत्री भारत सरकार संजय सेठ, रांची विधायक सीपी सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, रमाकान्त महतो, मनोज मिश्रा, रोशन शर्मा, पीयूष विजयवर्गीय, सोनू मिश्रा, दीपक सिंह, रॉकी सिंह, दलजीत सिंह, राजू सिंह, ऋषभ गक्खर, अमन जायसवाल, अजय मुण्डा, संतोष मिश्रा, राहुल आदि ने भी बधाई दी।

सेवा समाप्ति हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री राम दास कश्यप**, पुत्र स्वर्गीय समारू कश्यप, स्थायी निवासी - हाउस नं. 2/एम, स्ट्रीट नं. 33, सेक्टर - 06, सिविक सेंटर, भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़ - 490006, कर्मचारी संख्या - 10001738, जो हमारे प्रतिष्ठान मेसर्स डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, प्लॉट नं. IV/A-7(P), बालीडीह, बोकारो, झारखंड - 827014 में 04-जुलाई-2011 से कार्यरत थे, दिनांक 29-जनवरी-2024 से ड्यूटी से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं।

प्रतिष्ठान ने श्री राम दास कश्यप को ईमेल और पंजीकृत डाक के माध्यम से कई बार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के बारे में सूचित किया है, लेकिन आज दिनांक 13-अगस्त-2024 तक इन्होंने प्रतिष्ठान में रिपोर्ट नहीं की है/ड्यूटी ज्वाइन नहीं की है।

अतः इस सूचना के माध्यम से यह प्रकाशित किया जाता है कि यदि श्री राम दास कश्यप 16-अगस्त- 2024 तक कार्यभार ग्रहण करने में असफल रहते हैं तो श्री राम दास कश्यप की सेवा 17-अगस्त- 2024 से इस प्रतिष्ठान मेसर्स डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, प्लॉट संख्या IV/A-7(P), बालीडीह, बोकारो, झारखंड - 827014 से समाप्त कर दी जाएगी।

भवदीय,
मेसर्स डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड
प्लॉट संख्या - IV/A-7(P), बालीडीह
बोकारो, झारखंड - 827014

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
बोकारो स्टील प्लांट
बोकारो स्टील सिटी-827001, झारखण्ड, भारत

सूचना

बोकारो स्टील प्लांट का जन-स्वास्थ्य अनुभाग नगरवासियों के आवासों में स्थित सीवर सिस्टम की सफाई एवं अनुरक्षण हेतु प्रयासरत है. इस कार्य को सुचारू रूप से सम्पादित करने के लिए आपका सहयोग अपेक्षित है. कृपया निम्नलिखित बातों पर ध्यान/कार्यवाही करें ताकि आप के नगर का सीवर सिस्टम चलता रहे तथा आवासधारियों को कोई परेशानी नहीं उठाना पड़े :

1. आवासों के पीछे स्थित सीवर सिस्टम (सर्विस लाइन) पर किसी प्रकार का अतिरिक्त निर्माण अथवा बाउण्ड्री वॉल न बनायें.
2. आवासों के समीप स्थित मैन होल एवं आई.सी चैम्बर पर अतिरिक्त निर्माण न करें तथा उस जगह का पक्कीकरण न करें.
3. आवासों के आस-पास स्थित बरसाती नालों को अनाधिकृत रूप से न घेरें अन्यथा बरसात का पानी मैन होल में जाने से मैन होल जाम हो जाएगा जिससे घरों में पानी घुसने की सम्भावना बन जाती है.
4. आवासों के समीप स्थित मैन होल एवं आई.सी चैम्बर को तोड़कर अतिरिक्त पाइप लाइन नहीं लगाएं. ऐसा करने पर मैन होल क्षतिग्रस्त हो जाएगा तथा मैनहोल जाम भी हो सकता है.
5. आवासों के समीप स्थित मैन होल एवं आई.सी चैम्बर के साथ किसी भी प्रकार का छेड़छाड़ न करें अन्यथा आपको परेशानी होगी.
6. आवासों के समीप स्थित मैन होल एवं आई.सी चैम्बर के पास किसी भी तरह का पेड़/पौधा न लगाएँ जिससे मैनहोल चैम्बर क्षतिग्रस्त हो सकता है.

सेल, बोकारो स्टील प्लांट द्वारा जनहित में जारी.

जन-स्वास्थ्य अनुभाग,
नगर प्रशासन विभाग,
सेल/ बोकारो स्टील प्लांट

सेल -बोकारो स्टील प्लांट द्वारा जनहित में जारी
पंजीकृत कार्यालयः इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
कॉर्पोरेट आइडेंटिटी नम्बरः L27109DL1973GOI006454, वेबसाइटः www.sail.co.in
हर किसी की जिन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

डॉ. धीरेन्द्र करमाली
भीष्म मेमोरियल नर्सिंग होम
तेनुघाट रोड, गोमिया, बोकारो (झारखंड)।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

डॉ. सुरेंद्र राज
जिला परिषद सदस्य
गोमिया, बोकारो (झारखंड)।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

सत्येन्द्र कुमार ओझा
प्रदेश उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन,
गोमिया, बोकारो (झारखंड)।

बोकारो विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों सहित समस्त देशवासियों को मेरी ओर से

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

देव शर्मा
प्रदेश उपाध्यक्ष
युवा कांग्रेस (झारखण्ड)
सह
अध्यक्ष (Y.L.F)

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक
सेक्टर-4, बोकारो इस्पात नगर।

सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की अशेष शुभकामनाएं

शुभचिंतक
चास-चंदनकियारी रोड, बोकारो।

बोकारो, झारखंड सहित समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

संतोष सिंह
वरीय नेता
भारतीय जनता पार्टी, बोकारो।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

महादेव कुमार महतो
प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोमिया, बोकारो झारखंड।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

टॉप केयर नर्सिंग होम
नियर - बैंक मोड़, गोमिया, बोकारो, झारखंड।

बेरमो, बोकारो और झारखंड सहित समस्त देशवासियों को मेरी ओर से

78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मदन मोहन अग्रवाल
वरीय नेता, झामुमो
पूर्व अध्यक्ष, वन विकास निगम, बिहार-झारखंड।

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक
सेक्टर-5, बोकारो।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

सोनी कुमारी
साहित्यकार
बोकारो।

झारखंड सरकार को बड़ी जीत

सुप्रीम फैसला... सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से मिलेगी 1 लाख, 36 हजार करोड़ रुपए की खनिज रॉयल्टी

विशेष संवाददाता

रांची : सर्वोच्च न्यायालय ने झारखंड सरकार के हित में अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को राज्य का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। यह पैसा झारखंड को खनिज रॉयल्टी के बकाये के तौर पर मिलेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस फैसले को अपनी सरकार की बड़ी जीत बताया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर इस संबंध में पोस्ट किया है। लिखा है- बड़ी जीत! माननीय सुप्रीम कोर्ट का आभार। सुप्रीम कोर्ट के आज के ऐतिहासिक फैसले से हमारी लगातार मांग सफल हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य के लोगों के हक के लिए उनकी सरकार लगातार आवाज उठा रही थी। अब इस पैसे का इस्तेमाल जन-कल्याण के कामों में होगा और इसका फायदा हर झारखंडी को मिलेगा। सीएम हेमंत सोरेन ने बताया कि यह पैसा झारखंड को 2005 से खनिज रॉयल्टी के बकाये के तौर पर मिलेगा। यह भुगतान 12 साल में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा- हर झारखंडी को मिलेगा लाभ

खनिज संपन्न राज्यों को बड़ी राहत

खनिज संपन्न राज्यों को बड़ी राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने उन्हें खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर केंद्र सरकार से 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से रॉयल्टी और कर पर एक अप्रैल 2005 से बकाया लेने की बुधवार को अनुमति दे दी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि इस अदालत ने उसके समक्ष आए सवालों का 8:1 के बहुमत से 25 जुलाई को जवाब दे दिया था। खदानों तथा खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार राज्यों को दिया था।

बोकारो में नए कलेवर में हुई मानसरोवर की शुरुआत

संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सेक्टर- 4, सिटी सेंटर स्थित मानसरोवर स्वीट्स की शुरूआत फिर से नए कलेवर के साथ हुई है। सिटी सेंटर के जीडी-04 स्थित बिल्कुल ही नए रूप में सुसज्जित मानसरोवर स्वीट्स का उद्घाटन बोकारो के विधायक एवं झारखंड विधानसभा में भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने किया। उद्घाटन समारोह में धनबाद के पूर्व सांसद पी एन सिंह, बोकारो स्टील प्लांट (नगर सेवा विभाग) के महाप्रबंधक ए के सिंह सहित नगर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनका स्वागत चंदन कुमार सिंह व विनीत उपाध्याय ने किया। विधायक ने नए स्वरूप में प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर हर्ष जताया तथा अपनी शुभकामनाएं दीं।

कोलकाता में डॉक्टर के साथ दरिंदगी के खिलाफ झारखंड में उबाल

इंसाफ का शंखनाद... दीये जलाकर व शंख बजाकर दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

बोकारो : कोलकाता एक अस्पताल में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसके बाद उसकी हत्या की शर्मनाक घटना के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश है। न केवल डाक्टर, बल्कि समाज के अन्य तबके लोगों में भी काफी उबाल देखा जा रहा है। झारखंड के रांची, बोकारो, धनबाद सहित कई जिलों में इस मामले को लेकर लोगों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने बुधवार देर रात कैंडल जलाकर, मोबाइल की फ्लैश लाइट चालू कर और शंख बजाकर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। बोकारो में लोगों ने मुखर होकर प्रदर्शन किया। नया मोड़ में कैंडल मार्च निकाला गया। वहीं, सेक्टर- 3 में भी रात को वी वांट जस्टिस के नारे गूंजे। प्रदर्शन की अगुवाई कर रही नृत्य शिक्षिका अंकिता चक्रवर्ती ने उक्त घटना की कड़े शब्दों में निंदा की तथा मृतका के लिए इंसाफ की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने बंगाल की ममता सरकार के इस मामले में रवैये को लेकर काफी आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर अनामिका, मानसी, धनंजय चक्रवर्ती, बिप्लव दास आदि मौजूद रहे।

पेज- 1 का शेष

अमर रहें...

कानून में देश के लोगों के लिए न्याय देने का प्रावधान किया गया है।

संकल्प लेने का दिवस

आज पूरा भारतवर्ष आजादी की 78वीं वर्षगांठ के जश्न में डूबा हुआ है। 'अमृत महोत्सव काल' में 'हर घर तिरंगा' एक मिशन बन गया है। इस मौके पर उन क्रांतिकारियों की शहादत को भी नमन किया जा रहा है, जिनके संघर्ष और बलिदान की वजह से हम आजाद हुए और आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं। 15 अगस्त का दिन हर भारतवासी के लिए बहुत ही गौरवशाली है, जब जब हम आजाद हुए और 15 अगस्त, 1947 को दिल्ली के लालकिले पर हमारा तिरंगा फहराया गया। यह दिवस भारतीय सेना और सुरक्षा बल के उन जवानों को भी नमन करने का है, जो देश की सीमाओं पर दिन-रात तैनात रहकर भारत की अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आज हमें यह भी संकल्प लेने की जरूरत है कि भारत की भावी पीढ़ी के साथ-साथ समाज की मुख्यधारा से भटक चुके लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की जाय, ताकि आपसी प्रेम और सद्भावना बनाये रखकर देश को सर्वोच्च शिखर पर ले जाने का हमारे असंख्य वीर सपूतों का सपना साकार हो सके। समस्त देशवासियों को आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं। वन्दे मातरम...! भारत माता की जय ! !

दरभंगा में एम्स की राह हुई आसान

150.13 एकड़ जमीन सौंपी गई

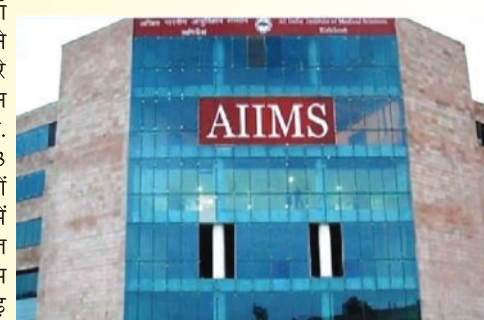

दरभंगा : दरभंगा जिला मिथिलांचल में चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक नई क्रांति का संवाहक बनने जा रहा है। एकमी-शोभन बाइपास किनारे प्रस्तावित दरभंगा एम्स निर्माण की राह आसान दिख रही है। पटना में दरभंगा एम्स डायरेक्टर डा. माधवानंद कार को बाइपास किनारे की 150.13 एकड़ जमीन सौंपने की सूचना दी गई। इससे लोगों में भी खुशी है। बता दें कि वर्ष 2015-16 में दरभंगा एम्स निर्माण की स्वीकृति मिली थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 750 बेड वाले इस अस्पताल के लिए वर्ष 2020 में 1,264 करोड़ राशि स्वीकृत की गई। इसके एम्स निर्माण स्थल को लेकर भूमि चयन का मामला फंसा था, लेकिन एम्स की जमीन हस्तांतरित होना निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दरभंगा एम्स में करीब 100 सीट एमबीबीएस एवं 60 सीट बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई के लिए उपलब्ध होगी। साथ ही यहां करीब 20 सुपर स्पेशियलिटी डिपार्टमेंट होगा। वहां उपचार की सुविधा उपलब्ध होने से उत्तर बिहार के मरीजों को व्यापक फायदा होगा। इसके अलावा पड़ोसी देश नेपाल सहित बंगाल एवं असम राज्यों के मरीज भी लाभान्वित होंगे। उन्हें अच्छे इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

मिथिला डायरी

समस्त प्रदेश एवं देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मैं स्वतंत्र हूँ, पढ़ाई के छोटे-मोटे खर्चों से, मुझे मिला सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, विदेश में उच्च शिक्षा के लिए, मुझे मिला मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, रोजमर्रा की आर्थिक परेशानी से, मेरा झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में हुआ निबंधन
मैं स्वतंत्र हूँ, पलाश ब्रांड ने मुझे दिया आर्थिक स्वावलंबन
मैं स्वतंत्र हूँ, उच्च/तकनीकी शिक्षा के लिए, मुझे मिला गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, कृषि ऋण की चिंता से, मुझे मिला झारखण्ड कृषि ऋण माफ़ी योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, बुढ़ापे की आर्थिक समस्या से, मुझे मिला सर्वजन पेंशन योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, बीमारी में खर्च की चिंता से, सरकार दे रही है अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ
आइये हमसब मिलकर झारखण्ड के वीर सपूतों और वीरांगनाओं के सोना झारखण्ड के सपनों को साकार करने में अपना योगदान दें।
हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ईश्वर से जुड़ने का माध्यम है प्रार्थना

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली -

निर्धन का धन, अंधे की आंख, दुःखी का अवलम्ब, भूले की राह ईश्वर हैं। जिस दिन ईश्वर को पा लिया, उस दिन से अभाव खटकना बन्द हो जाता है।

विचित्र विडंबना है कि वर्तमान समय में बहुत से लोग प्रार्थना के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। ऐसा नहीं है कि उनकी ईश्वर में आस्था कम है, बल्कि के प्रार्थना की अनिवार्यता से वे अनजान हैं।

प्रार्थना ईश्वर एवं मनुष्य के बीच संवाद है। उन दोनों का एक-दूसरे के साथ बिताया गया समय है। हमने प्रार्थना एवं पूजा को एक समझ लिया है, जबकि ऐसा है नहीं।

पूजा शब्द में 'पू' पुष्प का प्रतीक है एवं 'जा' जप का द्योतक है। प्रार्थना में पुष्प अनिवार्य नहीं है, हो तो भला है, परन्तु नहीं हो, तब भी कोई अन्तर नहीं पड़ता है।

प्रार्थना का एक तरीका 'जप' है, कोई राम नाम जपता है तो कोई हरिनाम का कीर्तन करता है। कई लोग स्तोत्र का भी पाठ करते हैं, कोई भक्त मंत्र जप करता है, परन्तु जप करना भी प्रार्थना हेतु अनिवार्य नहीं है।

जगत की दुखमयता एवं आनन्दमयता

अमरस्य दुखौद्यमयं ज्ञस्यानन्दमयं जगत्
अन्धं भुवनमन्थस्य प्रकाशं तु सुचक्षुषाम्

अन्धे के लिए जगत अन्धकारमय है एवं अच्छी आखों वाले के लिए संसार प्रकाशमय है।

वैसे ही ईश्वर से विरक्त व्यक्ति के लिए जीवन में दुख है, अज्ञानमय है एवं हर जीव में ईश्वर को देखने वाले के लिए संसार सुख है। हम अपने चारों ओर एक विशाल विश्व को देखते हैं। कोई होगा, जिसने इस विशाल विश्व को बनाया है। इन नश्वर चीजों के पीछे एक अविनाशी ईश्वर है। इस अविनाशी ईश्वर को हम प्रार्थना के द्वारा अपना बना लेते हैं।

प्रार्थना हेतु समर्पण चाहिए, प्रभु के प्रति भक्ति चाहिए। प्रार्थना घर में, पूजन स्थल में, मंदिर में, कहीं भी की जा सकती है। जगने पर या सोते समय कर सकते हैं, उगते एवं डूबते सूर्य को देखते हुए अथवा प्रकृति के सानिध्य में किया जा सकता है।

प्रार्थना का अर्थ है कि हम अपने ईश्वर से, अपने इष्ट से बात कर रहे हैं, लेकिन एक विचित्र बात है कि यह क्रिया जितना अधिक शब्दों से रहित होती है, प्रार्थना उतनी अधिक मर्मस्पशी होती है।

प्रार्थना के द्वारा प्राणी अपने ईश्वर को पुकारता है, उसे याद करता है। हमने एक बहुत बड़ा मतिभ्रम पाल लिया है कि प्रार्थना सिर्फ मनुष्य कर सकते हैं, क्योंकि वे बोल सकते हैं। यह सच नहीं है।

हमारे शास्त्र में गज एवं ग्राह की प्रार्थना आई है।

दूसरा भ्रम यह है कि हमने प्रार्थना में लम्बे-लम्बे एवं कठिन स्तोत्रों एवं दुरुह मंत्रों को प्राथमिकता दी है, जबकि सत्य है कि देवी अस्पष्ट नाम उच्चारण से भी

प्रसन्न होती हैं।

प्रार्थना माध्यम है ईश्वर से जुड़ने का। मनुष्य बिना ईश्वर के बिल्कुल ही असहाय एवं अकेला है। ईश्वर इस संसार में सर्वत्र व्याप्त हैं।

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।

ईशावास्य उपनिषद का यह सबसे पहला श्लोक यह कहता है कि ईश्वर सर्वत्र व्याप्त हैं। सारा संसार ईश्वर का है। हमें ईश्वर ने बनाया, तब ईश्वर के साथ नहीं जुड़कर हम अपने आप को बहुत अधिक अकेला कर लिए हैं, क्योंकि तब सभी क्रिया-कलाप के लिए, सफलता-असफलता के लिए हम स्वयं उत्तरदायी हैं। ईश्वर की सत्ता को मानते ही हम पूर्णतया निश्चिन्त हो जाते हैं, क्योंकि ईश्वर हैं, जो सब देख लेंगे। इस भरोसे से बड़ा कोई भरोसा हो सकता है क्या? लेकिन, यदि हम ईशावास्य (हर चीज में परमात्मा का निवास है) इस सत्य की अनदेखी करें, तब बस शरीर का भरोसा रहता है। परमात्मा से विश्वास हटा, तब आत्मा की शक्ति कहां से मानेंगे?

ईशावास्य उपनिषद् में आया ही है

असूर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसावृताः।
तांस्ते प्रेत्याभिग्च्छन्ति ये के चात्मनो जनाः॥

जो लोग आत्मा एवं परमात्मा की सत्ता को नहीं मानते हैं, वे घोर अंधकार रूपी अज्ञान से भरे हुए हैं। असूर्या नाम ही कहता है कि यहां सूर्य नहीं आता है। सूर्य को संसार का नेत्र, उसकी आत्मा कहा गया है।

यदि आत्मा परमात्मा की शक्ति पर विश्वास ही नहीं होगा, तब आत्मप्रगति संभव नहीं है।

प्रत्येक दिन प्रार्थना आत्म प्रगति का अवसर देता है। प्रार्थना का समय मांगों को सुनाने का नहीं, बल्कि प्रार्थना काल का उद्देश्य अपने मन को खाली करना है। यह भाव कि मैं जो कुछ हूं, उसे ईश्वर के चरणों में डालकर निश्चिन्त होना है, जब मैं नहीं रहा, तब ईश्वर हैं।

वैसे भी मनुष्य कितनी ही कोशिश करे, उसके कार्य तो पूर्ण ईश्वर करते हैं। इस सत्य को रोज दुहराने का नाम प्रार्थना है।

प्रार्थनाएं हमारे अन्तर्मन से निकलनी चाहिए। पूर्ण आत्म अभिव्यक्ति के रूप में। वे प्रार्थनाएं, जो सच्ची और स्वाभाविक होती हैं, तुरन्त सुन ली जाती है। उधार ली हुई प्रार्थनाओं के सहारे जीवन नौका पार नहीं जा सकती है।

प्रार्थनाएं मन से फूटें। उनमें हमारे अन्तर्मन का रस भरा होना चाहिए, जिस भाषा को आप अच्छे से जानते हैं, उत्तमें प्रार्थना करें। यदि संस्कृत में प्रार्थना कर रहे तो हमे उन श्लोकों का अर्थ पता होना चाहिए। रट्टा मारकर प्रार्थना मत पढ़ो, अर्थ जानो तब कहो।

प्रार्थना करना सिखाया नहीं जा सकता है। जैसे भूख लगती है, नींद आती है, उसी प्रकार प्रार्थना तब करो, जब ईश्वर से, गुरु में बात करनी हो।

प्रभु प्रेम चाहते हैं, तुम्हारी प्रार्थना प्रेम से आपूरित होनी चाहिए। कई बार देखा है, लोग मंदिर में खानापूर्ति के लिए जाते हैं। भगवान से मिलना, बात करना दिनभर का सबसे महत्वपूर्ण काम है। इस काम को नित्य निश्चित समय पर करने से पक्का रहता है। धीरे-धीरे प्रार्थना आपके अन्दर की दैवी शक्ति को जाग्रत कर देगी। प्रार्थना जब करो, तन्मयता से करो। ऐसा ना हो कि घंटी बजा रहे हैं और दिमाग में कैलकुलेशन चल रहा है। इस प्रकार की ढोंगी प्रार्थना से किसी का कल्याण नहीं होने वाला, बस समय व्यर्थ किया जा रहा है।

बस आज से ही नित्य प्रार्थना प्रारम्भ कर दें और अपने जीवन क्रम, दिन का सबसे बड़ा समर्पण भाव प्रार्थना अवश्य हो।

ॐ असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्मय,
मृत्योमार्मृतं गमय।।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

छोटा फल, बड़े लाभ... जानिए अंजीर खाने के फायदे

अंजीर एक छोटा सा फल होते हुए भी सेहत के लिए बड़े लाभ प्रदान करता है। इसे रोजाना के आहार में शामिल करके हम कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। यह छोटे से फल में बड़ी मात्रा में विटामिन, खनिज, और फाइबर समेटे हुए है। आइए, जानते हैं अंजीर खाने के कुछ प्रमुख लाभः

पाचन तंत्र सुधारे : अंजीर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है। यह कब्ज की समस्या को दूर करने में सहायक होती है और आंतों के स्वास्थ्य को बनाए रखती है। इसके नियमित सेवन से पेट की समस्याएं, जैसे कि गैस और अपच, से निजात मिलती है।

हड्डियों की मजबूती : अंजीर में कैल्शियम, मैग्नीशियम, और फॉस्फोरस जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जिन्हें ऑस्टियोपोरोसिस या हड्डियों से संबंधित अन्य समस्याएं हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी : अंजीर में एंटीऑक्सिडेंट्स, पोटैशियम, और फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है, जो दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम कम होता है।

वजन घटाने में सहायक : अंजीर में प्राकृतिक मिठास होती है और यह कैलोरी में कम होती है, जिससे यह वजन घटाने के लिए एक आदर्श फल है। इसके सेवन से भूख कम लगती है और यह शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है।

रक्त शर्करा नियंत्रण में सहायक : अंजीर में पाया जाने वाला फाइबर और प्राकृतिक शर्करा रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है। यह मधुमेह रोगियों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

त्वचा और बालों को लाभ : अंजीर में विटामिन सी, विटामिन ई, और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। यह त्वचा को निखारता है, झुर्रियों को कम करता है और बालों को मजबूत व चमकदार बनाता है।

प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है : अंजीर में मौजूद विटामिन और मिनरल्स शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है और सामान्य सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

श्वसन तंत्र के लिए उपयोगी : अंजीर का सेवन श्वसन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होता है। यह अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वसन समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसके साथ ही यह बलगम को कम करने में भी सहायक होता है।

याद्दाश्त को बढ़ाता है : अंजीर में मौजूद विटामिन बी6 मस्तिष्क के कार्यों को सुधारने और याद्दाश्त को बढ़ाने में मदद करता है। यह बच्चों और वृद्ध व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है।

तनाव और अवसाद को कम करता है : अंजीर में मौजूद मैग्नीशियम और एंटीऑक्सिडेंट्स तनाव को कम करने में मदद करते हैं। यह मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है और अवसाद जैसी समस्याओं से निजात दिलाने में सहायक होता है।

- प्रस्तुति : विकास

स्वतंत्रता दिवस की
शुभकामनाएं

अंशु कुमारी
मुखिया
पूर्वी ससबेड़ा, गोमिया (बोकारो)।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

जुबैदा खातून
मुखिया, लोधी पंचायत (गोमिया)।

कार्यालय जिला परिषद, बोकारो
(शुभकामना संदेश)
15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) 2024 के शुभ अवसर पर अध्यक्ष/उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं जिला परिषद, बोकारो परिवार की ओर से राज्य एवं देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं।
गिरिजा शंकर प्रसाद
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, बोकारो।
सुनीता देवी
अध्यक्ष
जिला परिषद, बोकारो।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
मो. मुमताज आलम
जेएमएम प्रखंड उपाध्यक्ष, गोमिया - सह - झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन
ज्वाइंट सेक्रेटरी कथारा एरिया सह सचिव स्वांग वाशरी।

दामोदर घाटी निगम
चंद्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र
चंद्रपुरा, बोकारो
राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित
दामोदर घाटी निगम
चंद्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र की ओर से
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
"हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान"

स्वतंत्रता दिवस की
शुभकामनाएं

सोनाराम मुर्मू
मुखिया
करीखुर्द, गोमिया (बोकारो)।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
मो. रियाज
मुखिया, चुट्टे पंचायत, गोमिया (बोकारो)।

सात समंदर पार भी होती है जश्न-ए-आजादी की धूम

ब्रिसबेन से मोद प्रकाश और
लंदन (यूके) से शैलेन्द्र प्रसाद

भारतीय स्वाधीनता का जश्न भारत में ही नहीं, सरहद पार भी पूरे उत्साह और समान जोशो-खरोश के साथ मनाया जाता है। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में प्रत्येक साल धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया जाता है। भारतीय और भारतीय मूल के लोग अपार हर्ष और उल्लास से 15 अगस्त को रोमां स्ट्रीट पार्क में आकर दिनभर के कार्यक्रम का आनंद उठाते हैं और साथ ही में अपने भारतीय होने का गर्व महसूस करते हैं। यह वही स्थान है, जहां एक दशक पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के पूरे कद की प्रतिमा का अनावरण किया था। लोग अगस्त की धूप में पूरे परिवार के साथ बैठकर दिन भर चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेते हैं। ध्यातव्य है कि ऑस्ट्रेलिया में अगस्त का महीना सर्दी का महीना होता है।

भारतीय समुदाय की अच्छी-खासी पैठ

रोमां स्ट्रीट पार्क में हर साल होने वाले समारोह की धूम देखकर यह कहा जा सकता है कि यहां यहां भारतवासियों के समुदाय की अच्छी खासी साख और पैठ बन चुकी है। इस बात की चर्चा समारोह-स्थल पर मौजूद रहने वाले हर गैर-भारतीयों में होती रहती है। बता दें कि क्वींसलैंड में भारतीय मूल के लगभग 30,000 लोग रहते हैं और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। इनमें से एक अच्छी संख्या उन लोगों की भी है, जिनके पूर्वज कुछ पीढ़ी पूर्व भारत छोड़ फिजी या न्यूजीलैंड जैसे देशों में चले गए थे। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन यहां विश्वव्यापी प्रवासी भारतीयों के संगठन जीओपीआईओ (ग्लोबल आर्गेनाइजेशन आफ पीपल आफ इंडियन आरिजिन) की क्वींसलैंड शाखा की ओर से किया जाता है।

विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों की मिलती है झलक

समारोह के मुख्य आकर्षणों में अलग-अलग भारतीय समुदायों से जुड़े संगठनों की झांकियां खास होती हैं। इनमें पंजाबी, गुजराती, तमिल, केरल इत्यादि भाषा-भाषाइयों के लोगों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलती है, जो सात समंदर पार भी अपने हिन्दुस्तान की कमी महसूस नहीं होने देती, साथ ही यहां के लोगों के लिये भी खास आकर्षण का केन्द्र होती है। इसके अलावा अलग-अलग समूहों द्वारा प्रस्तुत होने वाले नृत्य और नाट्य मंचन भी अपने-आप में अनूठे होते हैं। यहां होने वाले भारतीय स्वाधीनता समारोह की एक और खास बात यह होती है कि इन अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्थानीय आस्ट्रेलियावासी भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

लंदन के जिमखाना क्लब में हाई कमीशन का विशेष आयोजन

वहीं, यूनाइटेड किंगडम (यूके)/लंदन में भी हर साल आयोजित होने वाले भारतीय स्वाधीनता समारोह की अपने-आप में खासियत और खूबसूरती होती है। यहां भारत के उच्चायुक्त की तरफ से तो विशेष समारोह आयोजित होती है हैं, एनआरआई फोरम, इंडियन कम्युनिटी भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन में काफी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। प्रत्येक वर्ष यहां जिमखाना क्लब में भारत का उच्च आयोग, लंदन (यूके) द्वारा विशेष आयोजन होता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के गायन के बाद भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इनमें भारत की सांस्कृतिक विविधता और अनेकता में एकता का जीवंत मंचन किया जाता है। देशभक्ति गायन, रेफल ड्रॉ, पुरस्कार वितरण आदि आयोजन भी समारोह की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं।

उच्चायुक्त फहराते हैं तिरंगा

जिमखाना क्लब में भारत के उच्चायुक्त द्वारा ध्वजारोहण किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय समुदाय द्वारा अन्य विभिन्न स्थानों पर भी अपने देश की आजादी का जश्न पूरे धूमधाम के साथ मनाया जाता है, जो परदेस में भी अपने हिन्दुस्तान के साथ अटूट जुड़ाव को मजबूती प्रदान करता रहता है।

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा

कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि अपने हिन्दुस्तान की धमक पूरे विश्व में है, इसकी साख की तूती हर जगह बोलती है और यकीनन आगे भी बोलती ही रहेगी। जहां भी रहें, बस अपने देश के प्रति समर्पण और सेवा-भाव होना चाहिये। चलते-चलते ये पंक्तियां कहना चाहूंगा-

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी,
सदियों रहा है दुश्मन दौरे-जमाना हमारा।
सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।।

पन्द्रह अगस्त का दिन आया

पन्द्रह अगस्त का दिन आया,
इस दिन ही मिली आजादी थी।
लेकिन मलाल अब भी है कि,
टुकड़ों में मिली आजादी थी।।

मंगल पांडे, वीर कुंवर सिंह,
मदार्नी झांसी की रानी।
आजादी का अलख जगा गए,
अमर हो के अपनी बलिदानी।।

राजगुरु, सुखदेव भगत सिंह,
खुदीराम फांसी झूले।
बलिदानी आजाद ने जो दी,
कृतज्ञ राष्ट्र कैसे भूले!

कितने मरे जेल के अंदर,
कितने कालपानी में,
हुए शहीद देश की खातिर,
अपनी भरी जवानी में।।

अत्याचार से लड़ने वाली,
सत्य, अहिंसा आंधी थी।
आजादी तक पहुंचाया,
नेतृत्व कुशलता गांधी की।।

नेहरू, पटेल, राजेन्द्र, शास्त्री,
कूदे सभी समर में।
जुड़ते गए एक एक कर,
आगे सभी डगर में।।

दे दो अपना खून मुझे,
दूंगा मैं तुम्हें आजादी।
ले 'आजाद हिन्द फौज' को,
कूद पड़े नेताजी।।

कर आक्रमण अंग्रेजों पर,
मंशा को जता दिया था।
भारत के कुछ भू-भागों पर,
झंडा गाड़ दिया था।।

गरम नरम दो धारा
पर एक जलधि में इन्हें मिलना था।
लक्ष्य एक ही था आजादी,
वक्ष तानकर लड़ना था।।

सुषमाएं लुटीं सुहागिनों की,
मांओं के सूने गोद हुए।
बच्चा-बच्चा मरने को आतुर,
देशभक्ति का बोध लिए।।

आहुति दे दी सब ने,
आजादी की बलिवेदी पर।
जिससे जो भी बन पाया,
दिखा दिया उसने कर।।

कुछ का तो सब नाम जानते,
रह गए कुछ गुमनाम।
आजादी के सब योद्धाओं,
को है आज सलाम।।

पर न किसी ने सोचा होगा,
ऐसे हालात होंगे।
आजादी के साथ-साथ,
टुकड़े भी देश के होंगे।।

वैसी आजादी मिल पाई ,
देखा सबने जो सपना था?
मजबूरी थी स्वीकार करें,
या और आग में तपना था?

फूट डालकर राज करो,
अंग्रेजों की जो नीति बुरी।
बढ़ी इसी से हो सकती है,
नेताओं में भी दूरी।।

पद-लोलुपता नेताओं की,
भी हो सकती है कारण।
हो सकता है नहीं मिला हो,
इसका और निवारण।।

शांति की खातिर किया गया हो,
बंटवारा स्वीकार।
प्रबल रूप से नहीं हुआ हो,
निर्णय का प्रतिकार।।

एक तरफ प्राणों की आहुति,
एक तरफ बंटवारा।
देशभक्त स्वीकार कभी न,
कर सकता बंटवारा।।

बीज रोपकर नफरत का,
अंग्रेजों ने जो सींचा था।
हो सकता ऐसी स्थिति में,
बंटवारा ही अच्छा था।।

बंटवारे का आधार बना जो,
नफरत की दीवार को दिया।
बेघरबार हुए कितने ,
और भीषण नरसंहार हुआ।।

यह कलंक का पंक लगा जो,
भारत मां के मुख पे।
कभी उबरने देगा क्या,
भारत मां को इस दुख से?

नहीं पाटना भौगोलिक दूरी को,
है अब मुश्किल।
मगर पाटना दिल की दूरी को,
है महती मुश्किल।।

जितने मुंह उतनी बातें, अब,
सब इतिहास की बातें हैं।
जो भी है अब स्वीकारो,
कहकर मन को समझाते हैं।।

पर मन है कि नहीं मानता,
कैसे कोई समझाए।
क्या सम्भव है, खंडित देश,
पुनः अखंड हो जाए?

बर्लिन की दीवार टूट गई,
पुनः जर्मनी एक हुआ।
'आशा का दीपक', ये ख्याल,
मन आते ही प्रज्ज्वलित हुआ।।

माना कि काम कठिन है फिर भी,
प्रयास तो करना होगा।
खंड-खंड में बंटे देश को,
फिर अखंड करना होगा।।

सुधीर कुमार झा, कोलकाता

उज्ज्वल भारत के लिए सुरक्षित बचपन जरूरी

डॉ. प्रभाकर कुमार
मनोवैज्ञानिक - सह- पूर्व सदस्य, बाल कल्याण समिति, बोकारो।

बच्चे ही देश का कल हैं। उनका बचपन, उनका हित और उनके अधिकारों की रक्षा कर तथा उनका सही मार्गदर्शन कर ही हम उन्हें सबल राष्ट्र-निर्माण की दिशा में अग्रसर कर सकते हैं। उज्ज्वल भारत के निर्माण हेतु सुरक्षित बचपन आवश्यक है। बच्चों के चार अधिकारों को जीने देना, विकास, सुरक्षा व सहभागिता अधिकार में वर्गीकृत किया गया है। जीने के अधिकार के अंतर्गत बढ़ती भ्रूण हत्या पर ध्यानाकर्षण अत्यंत आवश्यक है। समाज मे घटते लिंगानुपात, लिंगभेद एक चिंता की बात है। एक तरफ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे की ओर ध्यान, तो दूसरी तरफ लिंग जांचने हेतु चोरी-छिपे अल्ट्रासाउंड करवाने की होड़, बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। देश के कई राज्यों मे घटता पुरुष-महिला लिंगानुपात चिंतनीय विषय है। समय रहते सरकार को ध्यान देने की जरूरत है, ताकि लिंग असमानता को दूर किया जा सके और स्वस्थ समाज का सृजन हो सके।

बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए शुद्ध समाजीकरण की प्रक्रिया पर ध्यान देने की जरूरत है। पालन-पोषण, परवरिश पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। माता-पिता अभिभावकों को बच्चों के साथ मित्रवत रहने की जरूरत है। आज बच्चों मे नशे की आदतों, बाल-अपराध की घटनाओं मे वृद्धि व्यापक स्तर पर देखी जा रही है। समाजीकरण के सभी कारकों पर विशेष ध्यानाकर्षण की जरूरत है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जा सके।

विकास के अधिकार के तहत मनोरंजन, खेलकूद, संतुलित भोजन आहार, विकास के सभी कारकों पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है, ताकि शिक्षा के साथ-साथ समग्र व्यक्तित्व विकास हो पाए। सुरक्षा के अधिकार के तहत सुरक्षित वातावरण दिए जाएं। बढ़ते बाल अपराधों से उन्हें बचाया जा सके। जागरुकता के माध्यम से बच्चों को हरसंभव जागरूक किए जाएं। किसी भी अकल्पनीय स्थिति से बचाव हेतु आत्मरक्षा के टिप्स बच्चों को बताएं। बच्चों के टॉल फ्री नंबर से उन्हें परिचित कराएं। सभी भयावह परिस्थितियों से उन्हें बचाने हेतु संवेदनशील रहें। बाल अधिकारों व कानून के प्रति उन्हे जागरूक बनाते रहें। माता-पिता अभिभावकों की यह भी जवाबदेही है कि सुरक्षित स्पर्श, असुरक्षित स्पर्श के बीच अपने बच्चों को अंतर बतलवाएं, बच्चों के इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों के प्रति सचेत रहें और बच्चों के दोस्त बनकर उन्हें परवरिश दें।

बच्चों को सहभागिता का अधिकार भी है। बच्चों को भी अभिव्यक्ति स्वंत्रत्रता की आजादी दें। उनके कहे बातों का समर्थन दें, ताकि बच्चों मे आत्मविश्वास पैदा किया जा सके। सुरक्षित बचपन, सुरक्षित राष्ट्र की परिकल्पना को साकार रूप दे सकती है। इसके लिए बच्चों को बाल-उत्पीड़न की सभी घटनाओं से बचाव की जरूरत है। बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाए जाने की जरूरत है। बाल विवाह, बालश्रम, बाल यौन व्यवहार, पोक्सो कानून 2012, किशोर न्याय अधिनियम 2015, ग्रामीण पृष्ठभूमि में बाल विवाह के माध्यम से बाल दुर्व्यापार, बाल दुर्व्यवहार, बच्चों को दी जाने वाली विभिन्न यातनाओं के प्रकारों, बच्चों के सहयातार्थ आपातकालीन टॉल फ्री नंबर, बच्चों के हितधारकों की अद्यतन जानकारी, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, बाल मित्र मानकों की विस्तारपूर्वक जानकारी, बाल कानून आदि मुद्दों पर माता-पिता, अभिभावक, समाज, समुदाय को जागरूकता के माध्यम से संवेदशील बनाया जा सके।

सरकारी प्रयासों में बच्चों की जो योजनाएं हैं, उन योजनाओं की जानकारी ग्रामीण स्तर तक ले जाने की जरूरत है। कोरोनाकाल में प्रधानमंत्री चिल्ड्रन योजना, अनाथ बच्चों के लिए स्पॉन्सरशिप योजना आदि की जानकारी गांवों तक सहज बनाने की जरूरत है। जिला बाल संरक्षण इकाई का समन्वय गांव, वार्ड, प्रखंड स्तर के बाल संरक्षण इकाई के साथ हों। जिले मे बाल सरंक्षण कमेटी का गठन हों, ताकि बच्चों के हेतु कई सुझाव उपायुक्त सह- अध्यक्ष, जिला बाल संरक्षण इकाई को प्राप्त होते रहें। बाल उत्पीड़न से प्रभावित पीड़िता के सहायातार्थ विधिक सेवा प्राधिकरण से मिलने वाली सुविधाओं को सहज बनाया जा सके, आर्थिक, मानसिक, भावनात्मक मदद की जा सके, ताकि परिवार को संबल किया जा सके। आर्थिक मदद का प्रावधान है, पर सहजता के साथ क्रियान्वयन की कमी देखी जाती है। त्यागे गए बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया सरल बनाए जाएं। बच्चों के लिऐ काम कर रहे लोग संवेदशील प्रकृति के हों, ताकि बाल मन को अच्छी तरह समझ सकें। सुरक्षित बचपन ही सुरक्षित राष्ट्र की संकल्पना को मूर्तता की ओर ले जा सकती है। उज्ज्वल भारत के लिए सुरक्षित बचपन जरूरी है। बच्चे ही भावी देश के कर्णधार हैं। जिस तरह का बचपन होगा, उस तरह की राष्ट्र की संस्कृति हमारे सामने दिखेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राष्ट्रभक्ति अभिशाप नहीं है...

पद का नाम कोई हो चाहे राजा, मंत्री, भृत्य ।
जो सम्राट लोक-हिरदय का, अमर उसी का कृत्य ।।

कुंठा, ईर्ष्या और बेचैनी में डूबे कुछ लोग।
मन उनका दूषित-मर्दित है शोक-उपेक्षा-भोग ।।

ये वे सब जो चला रहे थे कुटिल स्वार्थ अभियान।।
चाहे राष्ट्र गर्त में जाए उड़े हमारा यान ।।

ऐसे लोग गिरे हैं भू पर वमन रक्त का करते।
किन्तु नहीं उपचार है कोई जो वे सब भी तरते।।

कर्मफलों पर चितन जिनका नहीं छोडते धर्म।
और यदि छोड़ा, उनको भी छोड़ेगा ना कर्म।।

राष्ट्रवाद अभिशाप नहीं है, राष्ट्रभक्ति न पाप।
करते जो प्रतिकार सत्य का झेलें वे संताप।।

- कुमार मनीष अरविन्द -
रांची, झारखंड।

आबू भैया

मैथिली कविता

मुठ्ठी बान्हि कऽ आबू भैया
सभ मिलि कऽ संकल्प करी,
झुकऽ देब नहि शीश देश केर
आबू सभ मिलि कऽ गांठ धरी।

भ्रष्टाचार कखनो नञ सहबै
शांति अहिंसा केर दूत बनी,
देशक दुश्मन के नञ छोड़बै
ओकरा लेल यमदूत बनी।

नेताजी, सरदार, महात्मा
भगत सिंह केर ध्यान धरी,
हिनक सभक त्याग तपस्या

सभ मिलि कऽ गुणगान करी।

सदिखनि फहरय अपन तिरंगा
सभ मिलि एकर सम्मान करी,
देशक दुश्मन हम्मर दुश्मन,
आइ एहि बातक ऐलान करी।

- घनश्याम झा, दरभंगा।

समस्त देशवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
डॉ. प्रभाकर कुमार
बाल अधिकार कार्यकर्ता
सह- मनोवैज्ञानिक,
बोकारो (झारखंड)।

सभी देशवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की ढेरों बधाई एवं
हार्दिक शुभकामनाएं
कुमार अमित
सदस्य, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति, झारखंड।

चास-बोकारोवासियों को 78वें
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Hamilton CONSULTANCY & SERVICES
Gulmohar Palace
BANQUET HALL
A Unit Of
Hamilton Consultancy & Services Private Limited
AC banquet hall 5000 sq.ft.
Lawn 8000 sq.ft.
25 Bed Dormitory Room
Can hold for all occasions like
Marriage, Reception, Ring Ceremony,
Birthday parties,
Business meetings etc.
Proper lighting facilities
Parking Space available
Kitchen space (800 sq.ft.)
Booking Open
CONTACT : +91 7322 040 090
Address : Pathak Complex, Near Jharkhand Gramin Bank,
Chandan kiary Road, Jodhadih More, Chas, Bokaro - 827013
Email : gulmoharpalace.bokaro@gmail.com

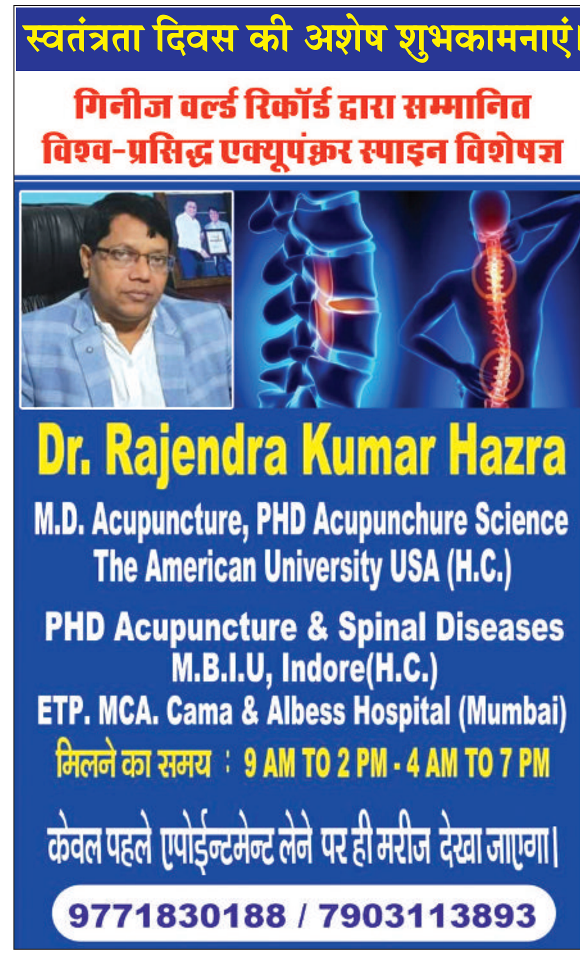
स्वतंत्रता दिवस की अशेष शुभकामनाएं।
गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित
विश्व-प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर स्पाइन विशेषज्ञ
Dr. Rajendra Kumar Hazra
M.D. Acupuncture, PHD Acupunchure Science
The American University USA (H.C.)
PHD Acupuncture & Spinal Diseases
M.B.I.U, Indore(H.C.)
ETP. MCA. Cama & Albess Hospital (Mumbai)
मिलने का समय : 9 AM TO 2 PM - 4 AM TO 7 PM
केवल पहले एपोईन्टमेन्ट लेने पर ही मरीज देखा जाएगा।
9771830188 / 7903113893

बेरमो, झारखंड सहित समस्त देशवासियों को मेरी ओर से
78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।
अनिल अग्रवाल
प्रदेश अध्यक्ष
अग्रवाल कल्याण महासभा, झारखंड।

15th August
Independence Day
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाए।
बिरंची नारायण
विधायक, बोकारो विधानसभा

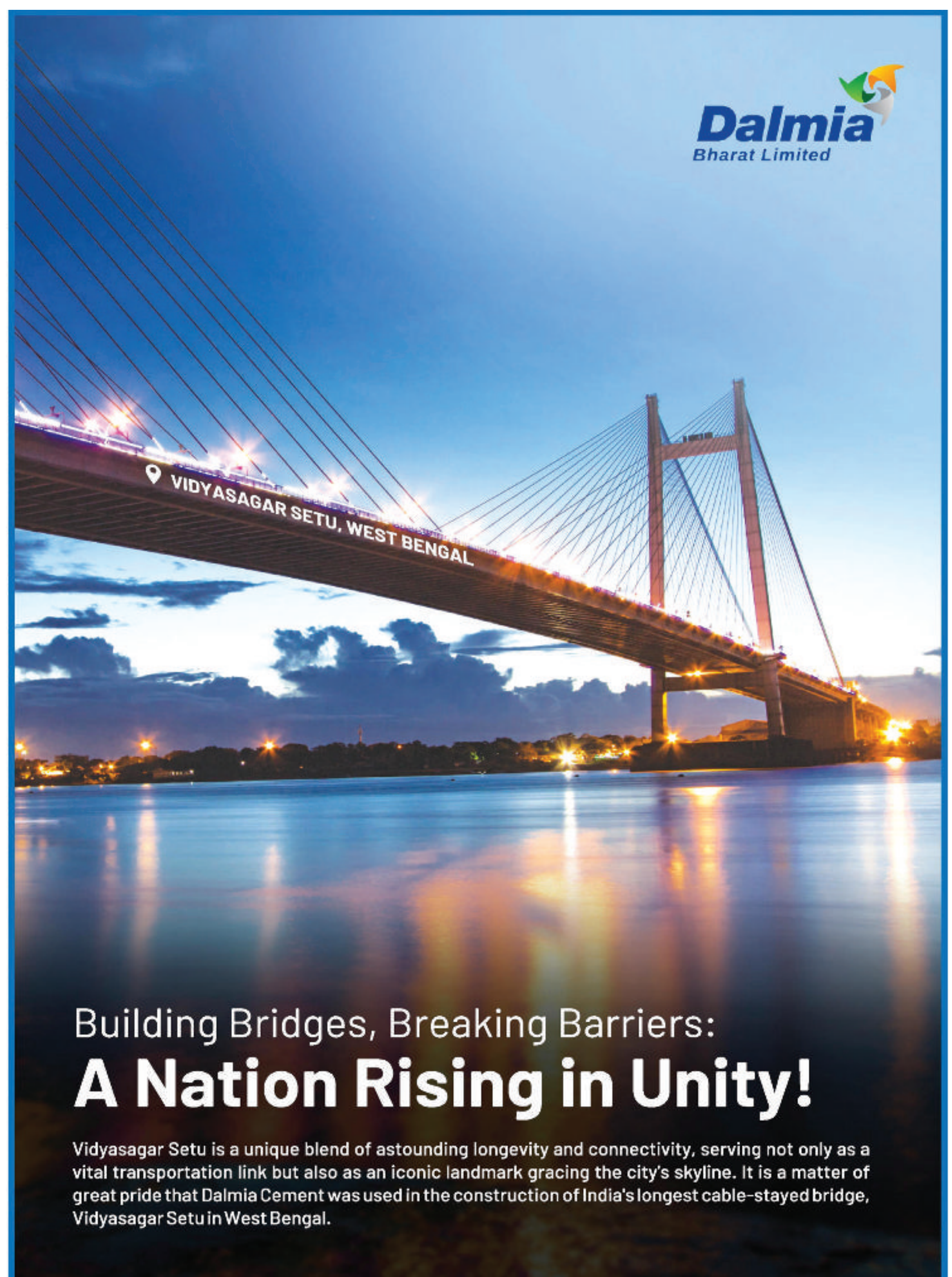
Dalmia
Bharat Limited
VIDYASAGAR SETU, WEST BENGAL
Building Bridges, Breaking Barriers:
A Nation Rising in Unity!
Vidyasagar Setu is a unique blend of astounding longevity and connectivity, serving not only as a vital transportation link but also as an iconic landmark gracing the city's skyline. It is a matter of great pride that Dalmia Cement was used in the construction of India's longest cable-stayed bridge, Vidyasagar Setu in West Bengal.

वर्ष 1947 में ही ऐसे मिल गई 1948 में मिलने वाली आजादी

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

हम सभी लोग जानते हैं कि पूरे देश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि आखिर 15 अगस्त को ऐसा क्या हुआ था कि इस दिन हर तरफ खुशी का माहौल रहता है। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत से हिंदुस्तान को आजादी मिली थी। आजादी मिलने के बाद एक तारीख तय की गई, जिस दिन पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाएगा। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए स्वतंत्रता दिवस के लिए चुना गया।

इतिहासकारों की मानें तो अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत की आजादी के लिए साल 1948 तय किया था, लेकिन कई वर्षों और महीनों के संघर्ष, कठिनाई और हर दिन खराब हो रहे परिस्थितियों को देखते हुए लॉर्ड माउंटबेटन को विवश होना पड़ा और भारत की स्वतंत्रता का दिन 1948 से 1947 करना पड़ा। ऐसे में लॉर्ड माउंटबेटन ने 15 अगस्त को आजादी का दिन चुना। यह कहा जाता है कि भारत को 18 जुलाई 1947 को ही आजादी मिल गई थी, लेकिन फिर भी 15 अगस्त का दिन इसके लिए चुना गया। इसके पीछे की कहानी के बारे में कहा जाता है कि तत्कालीन और अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने जापान के द्वितीय विश्व युद्ध में समर्पण की दूसरी सालगिरह को भारत की आजादी का दिन चुना, क्योंकि वो इस दिन को अपने लिए शुभ मनाता था। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए आजादी दिवस के रूप में चुना गया। 15 अगस्त 1947 हिंदुस्तान अपना पहला आजादी दिवस मना रहा था और उस दिन शुक्रवार था। कहा जाता है कि लॉर्ड माउंटबेटन के अलावा देश के कई महान ज्योतिषियों ने भी ग्रह नक्षत्रों के लिहाज से 15 अगस्त 1947 को आजादी के लिए शुभ दी माना था।

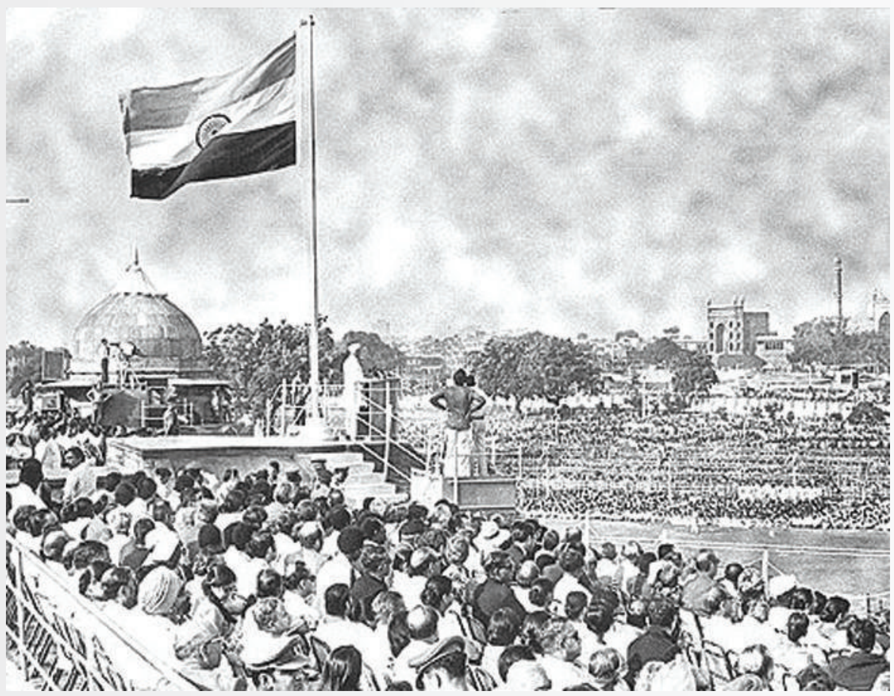

16 वर्षों तक 26 जनवरी को मनाते थे स्वतंत्रता दिवस

इतिहासकार बताते हैं कि 1930 से लेकर 1946 तक 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। हालांकि, यह कहा जाता है कि 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता कांग्रेस द्वारा मनाया जाता था। इसके बाद 1947 में बदलकर 15 अगस्त कर किया गया और संविधान बनने के बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

स्वतंत्र उपनिवेश का मिला था दर्जा

15 अगस्त 1947 वो तारीख थी, जब भारत को ब्रिटेन के स्वतंत्र उपनिवेश का दर्जा मिला था, जिसे भारतीय संघ या भारतीय उपनिवेश कहा गया। वास्तव में, भारतीय स्वाधीनता एक्ट 1947 के तहत ये प्रावधान हुए थे और भारत का संविधान बनाए जाने की राह खुली थी। जब तक संविधान नहीं बना, तब तक भारत ब्रिटिश कॉमनवेल्थ देशों में एक उपनिवेश के तौर पर शामिल रहा। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान बनने से ही सही मायनों में भारत को आजाद देश के तौर पर पहचान मिली।

15 अगस्त 1947 को खत्म हो गया वायसराय का पद

आसान शब्दों में उपनिवेश एक स्वाधीन समुदाय तो होता है, लेकिन आखिरकार उसके सिर पर एक राजा या ताज का साया बना रहता है. भारत के मामले में ताज के प्रतिनिधि के तौर पर गवर्नर जनरल की हैसियत से माउंटबेटन रहे थे। ब्रिटिश राज में परंपरागत रूप से रहा वायसराय का पद और दफ्तर 15 अगस्त 1947 से खत्म हो गया था.। 47 से 50 तक पं. जवाहरलाल नेहरू ही प्रधानमंत्री रहे, लेकिन उपनिवेश के। उपनिवेश के अर्थ के तौर पर बगैर चुने हुए लोगों ने प्रशासन संभाला और ब्रिटिश राजा के नाम पर शपथ ग्रहण की थी। उपनिवेश के दौरान भारतीय आर्मी का प्रमुख ब्रिटिश फील्ड मार्शल रहा और हाई कोर्ट व संघीय कोर्ट के जजों की नियुक्ति ब्रिटिशों के हाथ में रही।

संविधान लागू होते ही मिली संप्रभुता

संविधान लागू होते ही भारत को एक संप्रभुता वाले लोकतांत्रिक गणराज्य का दर्जा मिला और वह ब्रिटिश राजशाही से पूरी तरह मुक्त हुआ, लेकिन इस दौरान ये उपनिवेश कई मायनों में अहम रहा।

- प्रस्तुति : डीके वत्स

पौराणिक साक्ष्यों से जुड़ा है रक्षा-बंधन

श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाये जाने वाले त्योहार रक्षा बंधन तो हम हर साल मनाते आ रहे हैं, लेकिन भाई की कलाई पर राखी बांधने का सिलसिला बेहद प्राचीन है। रक्षाबंधन का इतिहास सिंधु घाटी की सभ्यता से ही नहीं, हमारे पौराणिक साक्ष्यों से भी जुड़ा हुआ है। जानकार बताते हैं कि असल में रक्षाबंधन की परंपरा ही उन बहनों ने डाली थी जो सगी नहीं थीं। भले ही उन बहनों ने अपने संरक्षण के लिए ही इस पर्व की शुरूआत क्यों न की हो, लेकिन उसी बदौलत आज भी इस त्योहार की मान्यता बरकरार है। रक्षाबंधन के संबंध में प्रचलित कथाएं इस प्रकार से हैं-

भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी: रक्षा-बंधन का पौराणिक जुड़ाव भगवान श्री कृष्ण और द्रौपदी के रिश्ते से है। कृष्ण भगवान ने दुष्ट राजा शिशुपाल को मारा था। युद्ध के दौरान कृष्ण के बाएं हाथ की अंगुली से खून बहता देख द्रौपदी बेहद दुखी हुईं और उन्होंने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीरकर कृष्ण की अंगुली में बांधा, जिससे उनका खून बहना बंद हो गया। तभी से कृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन स्वीकार कर लिया था।

19 अगस्त : मुहूर्त- सूर्योदय से पहले ही प्रातः 3:04 से शुरू होकर पूरे दिन

देवराज इन्द्र और शची की कथा: एक अन्य किंवदंती है कि एक समय, देवताओं का राजा इन्द्र, अपने शत्रु वृत्रासुर से हार गया। तब वह देवों के गुरु बृहस्पति के पास गया। उनकी सलाह से विजय-प्राप्ति के लिये इन्द्र की पत्नी देवी शची ने इन्द्र को राखी बांधी, जिसके बाद इन्द्र ने ऋषि दधिची की अस्थियां प्राप्त कर वज्र नामक शस्त्र बनाया और वृत्रासुर को परास्त कर स्वर्ग का पुनः अपना आधिपत्य जमाया।

राजा बलि और माता लक्ष्मी: एक पौराणिक कथा के अनुसार ऐसा माना जाता है कि दैत्यों का राजा बलि भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। भगवान विष्णु इस राजा बलि से इतने प्रसन्न थे कि एक बार वे वैकुण्ठ धाम छोड़ कर राजा बलि के साम्राज्य की रक्षा के कार्य में लग गए और माता लक्ष्मी वैकुण्ठ धाम में अकेली रह गईं। भगवान विष्णु बहुत समय तक वापिस वैकुण्ठ धाम को नहीं लौटे, तब माता लक्ष्मी ने एक साधारण स्त्री का रूप धारण किया और राजा बलि के यहां पहुंच गयीं, जहां उन्होंने खुद को अपने पति से बिछुड़ी एक निराश्रित महिला बताया तथा वहीं आश्रय पा लिया। सावन मास की पूर्णमासी पर माता लक्ष्मी ने राजा बलि की कलाई पर रक्षा सूत्रा बांधा और राजा बलि से अपनी रक्षा का वचन लिया। तब बलि को माता लक्ष्मी को सब सच बता दिया और भगवान विष्णु से माता लक्ष्मी के साथ वैकुण्ठ धाम लौटने की प्रार्थना की। कहा जाता है कि इसके बाद से ही रक्षा बंधन के दिन राखी बंधवाने के लिए बहन को भाई द्वारा अपने घर आमंत्रित करने की प्रथा चल पड़ी।

राजा हुमायूं और रानी कर्णवती: कहा जाता है कि जब बहादुर शाह ने राजस्थान के चित्तौड़ प्रांत पर आक्रमण किया तो विधवा रानी कर्णवती ने पाया कि वह स्वयं को तथा अपने राज्य को बहादुर शाह से बचा पाने में सक्षम नहीं है। तब रानी कर्णवती ने हुमायूं को राखी भेजी और अपनी रक्षा की प्रार्थना की। हुमायूं ने कर्णवती की राखी को पूरा सम्मान दिया और राखी की लाज अवश्य रखने का प्रण लिया। इसे निभाने के लिए हुमायूं एक विशाल सेना साथ लेकर तुरंत चित्तौड़ के लिए निकल पड़ा, परंतु जब तक हुमायूं चित्तौड़ पहुंचा तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बहादुर शाह चित्तौड़ पर कब्जा कर चुका था। मार्च 1535 का वह दिन राजस्थान के इतिहास में हमेशा एक घाव के रूप में रिसता है कि उस दिन रानी कर्णवती ने बहुत सी महिलाओं सहित जौहर किया। तब राखी की लाज रखते हुए हुमायूं ने बहादुर शाह से युद्ध किया और विजय प्राप्त की। हुमायूं ने चित्तौड़ का राज रानी कर्णवती के पुत्रा विक्रमजीत सिंह को सौंप दिया।

- प्रस्तुतिः शशि

आजादी असंख्य बलिदानों का परिणाम : राष्ट्रपति

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यानी स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर देशवासियों को खास संदेश दिया, जिसमें राष्ट्रपति ने कई सारी अहम बातों पर मुख्य रूप से बातें की। सर्वप्रथम तो मुर्मू ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि सभी देशवासी 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने की तैयारी कर रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को राष्ट्रपति ने विभाजन की विभीषिका को भी याद किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज 14 अगस्त को हमारा देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है।

जब हमारे महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, तो लाखों लोग पलायन करने को मजबूर हुए। लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं, जो बिखर गए। आजादी का यह पर्व हमें उन दिनों की याद दिलाता है, जब देश के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें नई अभिव्यक्ति दी। सरदार पटेल, बोस, भगत सिंह, बाबा साहेब अंबेडकर जैसे कई अन्य लोग थे, जिनके बलिदान की सराहना की गई है।

दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनना गर्व की बात : देश के स्वतंत्रता दिवस के 78वां महोत्सव पर भारत की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, वर्ष 2021 से 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इससे न केवल देशवासियों के हाथ में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है। हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, और हम जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार हैं। यह सफलता किसानों और श्रमिकों के अथक परिश्रम, नीति निमार्ताओं और उद्यमियों की दूरदर्शिता और देश के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाई है। भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा - जी-20 की अपनी अध्यक्षता सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद भारत ने वैश्विक दक्षिण को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत किया है। भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि का विस्तार करने के लिए करना चाहता है।

किसानों का योगदान उम्मीद से बेहतर

इसके साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के किसान के भारत को प्रभावशाली बनाने में भूमिका को याद करते हुए कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीद से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा करके उन्होंने भारत को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

देशवासियों को दीं शुभकामनाएं : इसके साथ ही अपने संबोधन के अंतिम में राष्ट्रपति ने कहा पूरा देश स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए तैयार है। मैं एक बार फिर आप सभी को इस खुशी के अवसर पर बधाई देती हूं। मैं सशस्त्र बलों के उन बहादुर जवानों को विशेष रूप से बधाई देती हूं जो अपनी जान जोखिम में डालकर भी हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा*** प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)